वैशाख-ज्येष्ठ शक 1931 मई 2009 खण्ड 21 अंक 05

डीआरडीओ समाचार

डी आर डी ओ की मासिक गृह पत्रिका

33वां डी आर डी ओ निदेशक सम्मेलन

इस अंक में

- 33वां डी आर डी ओ निदेशक सम्मेलन
- रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार द्वारा पुरस्कार वितरण
- नवीन सुविधा
- आघात परीक्षण सुविधा का अनावरण
- योग में उन्नत अनुसंधान तथा प्रशिक्षण केन्द्र
- महिला दिवस
- एच ई एम आर एल, पुणे का शताब्दी समारोह
- मानव संसाधन विकास गतिविधियां
- डी आर डी ओ द्वारा प्रौद्योगिकी मेला 2009, आई आई टी, बॉम्बे में प्रतिभागिता
- अन्ना विश्वविद्यालय में समाघात वाहन अभियांत्रिकी प्रदर्शनी
- कार्मिक समाचार
- राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह
- अच्छे स्वास्थ्य हेतु डी आर डी ओ भ्रमण
- सर्वोत्तम अलंकारी बगीचा पुरस्कार
- खेलकूद समाचार
- डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं में पधारे अतिथिगण

माननीय रक्षा मंत्री, श्री ए के एंटनी, डी आर डी ओ साइंस स्पैक्ट्रम का विमोचन करते हुए। साथ में हैं, रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, श्री एम नटराजन तथा नौसेना प्रमुख, एडमिरल सुरीश मेहता।

माननीय रक्षा मंत्री, श्री ए के एंटनी ने 23-24 मार्च 2009 के दौरान डी आर डी ओ भवन, नई दिल्ली में 33वें डी आर डी ओ निदेशक सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर तीनों सेनाओं के प्रमुखों में नौसेना प्रमुख, एडमिरल सुरीश मेहता, परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, ए डी सी ; वायु सेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल एफ एच मेजर, परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, एस सी, विशिष्ट मेडल, ए डी सी ; थल सेना प्रमुख, जनरल दीपक कपूर, परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेवा मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल, ए डी सी उपस्थित थे।

डी आर डी ओ निदेशक सम्मेलन के दौरान मुख्य नियंत्रकगण, प्रयोगशाला निदेशकगण, तथा कॉरपोरेट एवं तकनीकी निदेशकगण मिलकर पिछले वर्ष के कार्यों का लेखा-जोखा लेते हैं, तथा अगले वर्ष के कार्यक्रम निर्धारित करते हैं। इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय है **बदलते परिदृश्य में डी आर डी ओ का परिवर्तन।** डॉ आर श्रीहरि राव, विशिष्ट वैज्ञानिक, मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (इलैक्ट्रोनिक्स एवं कम्प्यूटर विज्ञान) सम्मेलन के समन्वयक थे।

डी आर डी ओ राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्व की संवेदनशील प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में कार्यरत है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए भारत सरकार द्वारा डी आर डी ओ पुरस्कार योजना कार्यान्वित की गई है। इसके अंतर्गत 17 वर्गों में पुरस्कार दिए जाते हैं, इसमें से चार वर्गों के पुरस्कार प्रयोगशाला/स्थापना निदेशकगणों द्वारा प्रदान किए जाते हैं, बाकी पुरस्कार डी आर डी ओ मुख्यालय द्वारा प्रदान किए जाते हैं। सम्मेलन के दौरान 24 मार्च 2009 को रक्षा मंत्री

के वैज्ञानिक सलाहकार, श्री एम नटराजन द्वारा 16 युवा वैज्ञानिक पुरस्कार तथा 16 उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन पुरस्कार प्रदान किए गए। युवा वैज्ञानिक पुरस्कार उभरती हुए प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु प्रदान किए जाते हैं तथा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन पुरस्कार बहु-आयामी कार्यों हेतु प्रदान किए जाते हैं।

रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार द्वारा पुरस्कार वितरण

युवा वैज्ञानिक पुरस्कार-2008

सुश्री बी कुसुम कुमारी, वैज्ञानिक सी, उन्नत अंकीय अनुसंधान तथा विश्लेषण समूह (अनुराग), हैदराबाद, को एडवांस्ड फ्रीक्वेंसी सिंथेसाइजर चिप **अनुश्रुति** के अभिकल्पन तथा विकास में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए। आप अनुवाणी एस ओ सी के अभिकल्पन तथा विकास की टीम की एक सदस्य थी। आपने ए एन यू डी एस पी प्रोसेसर के अभिकल्पन तथा विकास में भी योगदान दिया है।

सुश्री वर्षा अग्रवाल, वैज्ञानिक डी, लेजर विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी केंद्र (लेसटेक), दिल्ली, को भारतीय वायु सेना के प्रेसीसन गाइडिड म्युनिशन का आंकलन करने के लिए स्वदेशी परीक्षण प्रणाली के सफलतापूर्वक विकास के लिए, जैसे इनफ्रारेड गाइडिड मिसाइल्स एंड लेजर गाइडिड बोम्ब्स इन स्ट्रेप-ऑन-कंडीशन विद द फाइटर एयरक्रॉफ्ट सुखोई-30 एम के-I एवं मिराज-2000।

सुश्री नूपुर श्रोत्रिया, वैज्ञानिक डी, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एस ए जी), दिल्ली को स्पीच एनालिसिस, स्पीकर कैरेक्ट्राइजेशन एवं उपकरणों का विकास जैसे, एक्सेंट आइडेंटीफिकेशन, आयु समूह एवं स्पीकर रिकोगनिशन के क्षेत्र में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

श्री के मिरिजीत, वैज्ञानिक सी, सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान तथा विकास केंद्र (एम टी आर डी सी), बैंगलूरू को ई डब्ल्यू, डेटा लिंक, कमांड गाइडैंस, एस ए आर एवं परम्परागत रडारों में माइक्रोवेव पॉवर मॉडयूल्स फाइडिंग एप्लीकेशंस के लिए आवश्यक आधुनिकतम इलैक्ट्रोनिक पॉवर कंडीशनर इनकोरपोरेटिंग कम्युनिकेशन एंड कंट्रोल इंटरफेसिज के विकास में दिए गए उत्कृष्ट योगदान के लिए।

श्री मुकेश कुमार शर्मा, वैज्ञानिक सी, रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर को छः वर्षों के लिए बी डब्ल्यू एजेंटों की पहचान के लिए बायोसेंसर के विकास में सक्रिय योगदान हेतु। आपने सलमोनेला टाइफी एंड विबरियो कोलेरा जैसे पैथोगंस की पहचान हेतु प्रणाली का विकास किया। आपने ए टी वी कार्यक्रम हेतु फिल्टर सामग्री के विकास में भी योगदान दिया।

श्री निसार के ई, वैज्ञानिक सी, नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि को उन्नत रक्षा प्रणाली हेतु एलगोरिद्म के विकास में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए। देश में पहली बार एंटी-टॉरपीडो रक्षा प्रणालियों के लिए टॉरपीडो की पहचान, ट्रेकिंग एवं स्वचलित रिकोगनिशन हेतु बहुत-से उन्नत संकेत संसाधन एलगोरिद्म का विकास किया।

श्री प्रवीण कुमार, वैज्ञानिक सी, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल), अंबरनाथ को रणनीतिक अवयव, जैसे पोरस कार्बन गैस डिफ्यूजन मैट्रीयल एंड मोल्डिड ग्रेफाइट बिपोलर प्लेट्स क्रूसिएल फॉर इंधन सैल प्रौद्योगिकी के सफलतापूर्वक विकास के लिए।

श्री आर राजेश, वैज्ञानिक सी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बैंगलूरू को आधुनिकतम एलगोरिद्म का प्रयोग करके सफलतापूर्वक विकास के लिए। आपने जी पी एस रिसीवर के लिए एंटी जैमिंग तकनीकों को विकसित किया तथा हार्डवेयर टैस्ट सैट-अप का प्रयोग करते हुए रियल टाइम में इंटरफेरेंस कैंसिलेशन का प्रदर्शन किया।

श्री प्रमोद एन ढांडे, वैज्ञानिक सी, इलैक्ट्रोनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बैंगलोर को रिमोट टाइम सेटिंग एप्लीकेबल मल्टी सिस्टम ऑफ म्यूनिशंस एंड एम्यूनिशंस के लिए ट्रांस रिसीवर्स के अभिकल्पन तथा विकास में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

श्री मिथुन पलित, वैज्ञानिक सी, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद को अंडरस्टैंडिंग द फिजिकल मैटलरजी एंड मैग्नेटिक बिहेवियर ऑफ जियांट मेग्नेटोस्ट्रिक्टिव इंटरमिटेलिक फॉर हाई पावर, लो-फ्रीक्वेंसी सोनार डिवाइस में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

श्री बी श्रीनाथ भट्ट, वैज्ञानिक डी, रक्षा उड्डयानिकी अनुसंधान स्थापना (डेयर), बैंगलूरू को पोड स्ट्रक्चर, विभिन्न लड़ाकू विमानों में तरंग प्रणाली के सफलतापूर्वक समेकन एवं नवीन विश्लेषण तकनीकों का प्रयोग करके प्रणाली कार्यक्षमता को बढ़ाने हेतु सफलतापूर्वक विकास में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

श्री आर वासुदेव, वज्ञानिक सी, इलैक्ट्रोनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बैंगलोर को नवीन रडार डेटा प्रोसेसर तथा रडार कंट्रोलर एलगोरिद्म फॉर काम्प्लैक्स, बट प्रोवेन थ्री वर्जन ऑफ मल्टीबीम 3-डी मीडियम रेंज सर्वेलांस रडार्स विच प्रोवाइड एफीसिइंट रडार ट्रेकिंग अंडर इंटैंस ई डब्ल्यू सिनारिओज एंड लो-एंगल ट्रेकिंग इन मल्टीपार्ट कंडीशंस ऑवर द सी के विकास हेतु।

श्री वी भरतवाजा श्रीनिवासन, वैज्ञानिक सी, नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम को एडवांस्ड मरीन हुल बॉय अंडरटेकिंग द हाइड्रोडायनेमिक डिजाइन एंड परफोरमैंस इवैल्युएशन फॉर टू एडवांस्ड मरीन हुल फॉर्म्स एंड इन द डेव्लेपमैंट ऑफ ऑटोनोमस अंडरवाटर व्हीकल के स्वदेशी विकास में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

श्री के वामसी कृष्ण रेड्डी, वैज्ञानिक सी, रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला (डी आर डी एल), हैदराबाद को वायु रक्षा हेतु लक्ष्य स्टेट आंकलन के मिशन क्रिटिकल क्षेत्र में कार्य करने के लिए। आपने एक्सो एंड एंडो एटमोसफेरिक इंटरसेप्ट्स ऑफ टैक्टीकल बैलीस्टिक मिसाइल्स की उत्कृष्ट सफलता में योगदान दिया।

सुश्री ऋतु खुराना, वैज्ञानिक सी, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टी बी आर एल), चंडीगढ़ को थियोरेटिकल एनालिसिज एंड मैथमेटिकल मॉडलिंग ऑफ डिटोनेशन एंड शॉक वेव फिनोमिना, विच फोर्म्ड द बेसिस फॉर न्यूमेरिकल साइमुलेशन ऑफ मल्टी पोइंट इनीशियेटिड इम्पलोजन सिस्टम में प्रशंसनीय कार्य के लिए। आप हाइब्रिड स्फेरिकल वेव लेंस के अभिकल्पन तथा विकास से जुड़ी रहीं, जो कि नई प्रणाली में वजन में 35 प्रतिशत तथा आकार में 15 प्रतिशत की कमी प्राप्त करेगा।

सुश्री के सुजाता, वैज्ञानिक डी, अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई), हैदराबाद को पृथ्वी प्रक्षेपास्त्र एवं इसके अवयवों के लिए रियल टाइम एम्बेडिड मिशन सॉफ्टवयेर के अभिकल्पन तथा विकास में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए। आपने पृथ्वी-II के लिए रेंज इंडिपेंडेंट सॉफ्टवेयर का विकास किया।

सर्वोत्तम कार्यनिष्पादन पुरस्कार-2008

श्री चमन सिंह राणा, वरिष्ठ भण्डार अधिकारी, ग्रेड-II, उन्नत अंकीय अनुसंधान तथा विश्लेषण समूह (अनुराग), हैदराबाद।

सुश्री कुलजीत कौर, तकनीकी अधिकारी सी, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एस ए जी), दिल्ली।

श्रीमती एस लक्ष्मी, वैयक्तिक सहायक सी, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद।

श्री आर के पानीकर, भण्डार अधीक्षक, रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर।

श्री एस प्रसाद, तकनीकी अधिकारी ए, नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि।
श्री ए आर पुष्पांजन, प्रशासनिक सहायक ए, प्रणाली योजना एवं कार्यान्वयन केन्द्र (एस पी आई सी), दिल्ली।
श्री राजेश कुमार, वैयक्तिक सहायक, मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (कार्यान्वयन), डी आर डी ओ मुख्यालय, नई दिल्ली।
श्री संजय कुमार झा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ए, आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे।
श्रीमती शोभा शर्मा, वैयक्तिक सहायक सी, मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (जैव विज्ञान एवं मानव संसाधन), डी आर डी ओ मुख्यालय, नई दिल्ली।
श्री यकारी यादगिरी, वरिष्ठ निजी सचिव, रक्षा इलैक्ट्रोनिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल), हैदराबाद।
श्री ए मनोहरन, तकनीकी अधिकारी सी, इलैक्ट्रोनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बैंगलूरू।
श्री एल उमेश, तकनीकी अधिकारी ए, कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बैंगलूरू।
श्री के डी कार्ले, निजी सचिव सी, वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (वी आर डी ई), अहमदनगर।
श्री बी कृष्णमूर्ति राव, निजी सचिव ए, रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला (डी आर डी एल), हैदराबाद।
श्रीमती एन रूपा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक बी, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल), मैसूर।
श्री एन यादैया, तकनीकी अधिकारी सी, सैन्य उड़नयोग्यता तथा प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक), बैंगलूरू।

प्रौद्योगिकी समूह पुरस्कार-2008

श्री किशोर चौधरी, वैज्ञानिक सी, शस्त्र एवं इलैक्ट्रोनिक्स प्रणाली अभियांत्रिकी स्थापना (डब्ल्यू ई एस ई ई), नई दिल्ली, ने रिंग लेजर गायरो की कठिन आंकड़े वितरण इकाई के अभिकल्पन तथा विकास में योगदान दिया तथा आई एन एस प्रबल युद्धपोत श्रेणी हेतु प्रक्षेपास्त्र प्रांगण की अग्नि नियंत्रण प्रणाली में योगदान दिया।

श्री मनोज कुमार मीना, वैज्ञानिक सी, शस्त्र एवं इलैक्ट्रोनिक्स प्रणाली अभियांत्रिकी स्थापना (डब्ल्यू ई एस ई ई), नई दिल्ली, ने आई एन एस रणवीर युद्धपोत श्रेणी की आंकड़े वितरण इकाई के रिंग लेजर गायरो के अभिकल्पन तथा विकास में योगदान दिया तथा पुराने रूसी उपकरणों के साथ इसके समेकन का कार्य भी किया।

इस पुरस्कार को उपरोक्त दोनों वैज्ञानिकों के बीच बराबर बांटा गया है।

नवीन सुविधा

आघात परीक्षण सुविधा का अनावरण

एशिया की सबसे बड़ी आघात परीक्षण सुविधा का 10 मार्च 2009 को अनुसंधान तथा विकास स्थापना (इंजीनियर्स) (आर एंड डी ई (इंजी)), पुणे में डॉ ए शिवथानु पिल्लई, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (नौसेना प्रणाली एवं आयुध समाघात अभियांत्रिकी) द्वारा अनावरण किया गया। डॉ पिल्लई ने नवनिर्मित भवन समीक्षा का अनावरण भी किया। इस अवसर पर श्री ए के चक्रबोर्ती, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं पी डी ए एन एस पी ; श्री बी राजगोपालन, निदेशक, आर एंड डी ई (इंजी) ; तथा श्री एम एम दातार, निदेशक, ए आर डी ई भी उपस्थित थे।

डॉ पिल्लई, समीक्षा में आघात परीक्षण सुविधा का अनावरण करते हुए।

इस आघात परीक्षण सुविधा का रक्षा, वाहन, तथा वैमानिकी में प्रयुक्त उपकरणों का आघात-रेजिस्टेंट तथा आघात-स्थिरता मापन हेतु उपयोग किया जाएगा।

योग में उन्नत अनुसंधान तथा प्रशिक्षण केन्द्र

रक्षा शरीरक्रिया एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एम डी एन आई वाई) के सहयोग से योग में उन्नत अनुसंधान तथा प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किया गया है। डॉ डब्ल्यू सेल्वामूर्ति, विशिष्ट वैज्ञानिक, मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (जैव विज्ञान एवं मानव संसाधन) ने इस केन्द्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर एम डी एन आई वाई के निदेशक, डॉ आई वी बसावरदी भी उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र के बाद **योगिक प्रैक्टिसिस : दबाव प्रबंधन एवं कार्यनिष्पादन बढ़ोत्तरी में इसकी भूमिका** नामक विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संकाय सदस्य निमहैंस ; बैंगलोर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी) दिल्ली, नई दिल्ली ; एम डी एन आई वाई, दिल्ली ; तथा डी आर डी ओ से लिए गए थे।

महिला दिवस

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर में 9 मार्च 2009 को **महिला दिवस** मनाया गया। इस अवसर पर डॉ ओम कुमारी गहलोत, मेयर, जोधपुर, मुख्य अतिथि थीं। आपने समाज में महिलाओं के उत्थान के लिए पुरूषों एवं महिलाओं को साथ काम करने तथा महिला के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ गहलोत ने सरकार द्वारा महिलाओं को उपलब्ध करायी जा रही सहायता पर भी चर्चा की। डॉ नरेन्द्र कुमार, निदेशक, डी एल ने समारोह की अध्यक्षता की तथा **महिला सशक्तीकरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिला वैज्ञानिकों के योगदान** पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ श्रीमती रीता सिंह, वैज्ञानिक ई, श्रीमती मंजुलता शर्मा, वैज्ञानिक बी एवं श्रीमती मोनिका अग्रवाल, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ए ने भी अपने विचार प्रकट किए।

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला, मैसूर

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल), मैसूर में 31 मार्च 2009 को **महिला दिवस** मनाया गया। डॉ श्रीमती ए एल हेमलता, प्रमुख, पैथोलॉजी विभाग, मैसूर चिकित्सा महाविद्यालय, मैसूर, मुख्य अतिथि थीं। आपने **वोम्ब-रिलेटिड वरीज एंड क्योर्स** पर अपने विचार प्रकट किए। डॉ ए एस बावा, निदेशक, डी एफ आर एल, ने समारोह की अध्यक्षता की।

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली में 19 मार्च 2009 को महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्रीमती मधुबाला नाथ, पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, आई पी पी एफ (एस ए आर ओ), मुख्य अतिथि थीं। आपने **महिला सशक्तीकरण एवं लिंग संवेदनशीलता** पर वार्ता की। डॉ अ ल मूर्ति, निदेशक, डेसीडॉक, ने समारोह की अध्यक्षता की तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में महिला वैज्ञानिकों के योगदान पर प्रकाश डाला। श्रीमती विनोद कुमारी शर्मा, वैज्ञानिक ई, ने **आचार-व्यवहार** पर व्याख्यान दिया। श्री अशोक कुमार, अपर निदेशक, डेसीडॉक, ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

महिला दिवस के उद्घाटन सत्र का दृश्य।

आलेख प्रस्तुति

डॉ ए के गोयल, वैज्ञानिक डी, स्टॉफ अधिकारी, मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (कार्यान्वयन), डी आर डी ओ मुख्यालय, ने 06-09 अप्रैल 2009 के दौरान अमेरिका-जापान सहकारी चिकित्सा विज्ञान कार्यक्रम, कोलकाता द्वारा **उभरते हुए संक्रमण रोग** विषय पर आयोजित 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में **मल्टीड्रग-रैसिसटैंट वी कोलेरा 01 स्ट्रेंस विद एल्टर्ड कालेरा टॉक्सीन जेने इनवोल्व्ड इन कोलेरा केसिज इन इंडिया** नामक विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

एच ई एम आर एल, पुणे का शताब्दी समारोह

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे के शताब्दी समारोह का 02 मार्च 2009 को मुख्य अतिथि, लेफ्टिनेंट जनरल एन थम्बुराज, परम विशिष्ट सेवा मेडल, सेवा मेडल, ए डी सी, रक्षा स्टॉफ के उप-प्रमुख ने उद्घाटन किया। आपने उद्घाटन भाषण में लेफ्टिनेंट जनरल एन थम्बुराज ने रक्षा सेवाओं तथा डी आर डी ओ वैज्ञानिकों द्वारा मिलकर प्रयास करने पर जोर दिया। आपने डी आर डी ओ वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि वे आधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रयोग से बेहतर शस्त्रों का निर्माण करें। आपने इस बात की आवश्यकता बताई कि रक्षा सेवाओं की आवश्यकता पूर्ति डी आर डी ओ से अधिकाधिक हो।

लेफ्टिनेंट जनरल एन थम्बुराज, शताब्दी समारोह का उद्घाटन करते हुए।

डॉ ए शिवथानु पिल्लई, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (नौसेना प्रणाली एवं आयुध समाघात अभियांत्रिकी) ने समारोह की अध्यक्षता की तथा एच ई एम आर एल के स्वर्णिम पांच दशक नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। डॉ पिल्लई ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को शताब्दी वर्ष में प्रवेश पर बधाई दी। आपने बताया कि एच ई एम आर एल ने इस अवधि में बहु-आयामी प्रगति की है जिसमें रॉकेट प्रणोदक, बंदूक प्रणोदक, विस्फोटकों, उच्च शक्ति विस्फोटकों, पायरोटेक्निक्स, थर्मोबारिक शस्त्रों, पर्यावरण विज्ञान, इत्यादि के क्षेत्र शामिल हैं।

एच ई एम आर एल शताब्दी स्मारक।

इस अवसर पर एच ई एम आर एल की उपलब्धियों से संबंधित 1908 से 2008 तक के चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई तथा आयुध समूह प्रयोगशालाओं (एच ई एम आर एल, पुणे ; ए आर डी ई, पुणे ; पी एक्स ई, बालासोर ; सीफीस, दिल्ली ; एवं टी बी आर एल, चण्डीगढ) द्वारा आयुध उत्पाद एवं प्रौद्योगिकियां नामक विषय पर प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसका लेफ्टिनेंट जनरल एन थम्बुराज ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर एच ई एम आर एल के भूतपूर्व निदेशकों तथा वर्तमान निदेशक को डॉ पिल्लई द्वारा सम्मानित किया गया।

भूतपूर्व निदेशक, डॉ के आर के राव, तथा डॉ हरिद्वार सिंह, ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। डॉ ए शुभनंदा राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एच ई एम आर एल ने अपने भाषण में प्रयोगशाला की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान परिप्रेक्ष्य की चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर पाने का विश्वास व्यक्त किया। डॉ अमरजीत सिंह, सह-निदेशक तथा अध्यक्ष, शताब्दी समारोह, ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। प्रदर्शनी को 03 मार्च 2009 को आम जनता के लिए खोला गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूल, कॉलेज तथा जनसाधारण ने भाग लिया।

डी आर डी ओ ई-जर्नल कंसोरटियम

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे में 18 मार्च 2009 को डी आर डी ओ ई-जर्नल कंसोरटियम के लाभों पर प्रकाश डालने के लिए पश्चिम क्षेत्र प्रयोगशालाओं के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। डॉ अरागोंडा लक्ष्मण मूर्ति, निदेशक, रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने इस बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में श्री ए एम दातार, निदेशक, ए आर डी ई ने वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि वे इलैक्ट्रोनिक जर्नलों का उपयोग करें। इस अवसर पर ई-जर्नल सेवा प्रदाताओं, जैसे कि इंफॉर्मेटिक्स, जिस्ट, बालानी इंफोटेक तथा एल्जीवीयर के प्रतिनिधियों ने प्रस्तुतियां दी जिनमें आई ई ई ई, जेन, ए आई ए ए, ए सी एस तथा जे-गेट के जर्नलों के बारे में जानकारी दी गई। इस बैठक में ए आर डी ई, एच ई एम आर एल, वी आर डी ई तथा आर एंड डी ई के 135 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया तथा प्रस्तुतियों को देखा। श्रीमती एस एस अवाचत, वैज्ञानिक ई, इस बैठक की समन्वयक थीं।

मानव संसाधन विकास गतिविधियां

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/विमोचन

सैन्य मनोविज्ञान पर सम्मेलन

डॉ रफीक जकारिया परिसर, मौलाना आजाद कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, औरंगाबाद में 30 जनवरी से 01 फरवरी 2009 के दौरान **भारतीय अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान अकादमी की 44वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी** तथा **13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन** का आयोजन किया गया। रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डी आई पी आर), दिल्ली द्वारा सम्मेलन के प्रथम दिन सैन्य मनोविज्ञान पर विचारगोष्ठी का संचालन किया गया। इस अवसर पर मुख्य उद्‌बोधन डॉ मानस कुमार मंडल, निदेशक, डी आई पी आर द्वारा दिया गया। डी आई पी आर के दस वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं युवा शोधकर्ताओं ने विचारगोष्ठी में अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। इनमें मुख्य विषय थे, भारत में सैन्य मनोविज्ञान की स्थिति, आत्महत्या का बचाव प्रबंधन, सैन्य बलों में तनाव की स्थिति में हत्या, सैन्य कर्मियों में नशा व उग्र भाव, विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम सैनिक, सेना के लिए ज्ञानात्मक विज्ञान के अनुप्रयोग, ऊंचे स्थानों पर मस्तिष्कीय स्थिति, सैन्य सजगता बढ़ाने के उपाय, तथा सेना के सैनिकों हेतु व्यक्तित्व परीक्षणों का विकास। इन सभी प्रस्तुतियों को प्रतिभागियों द्वारा सराहा गया। विचारगोष्ठी का आयोजन डॉ उपदेश कुमार, वैज्ञानिक ई, डी आई पी आर ने किया। इसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त विशिष्ट प्रोफेसर जी पी ठाकुर, काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने की।

सुरक्षित पेय जल हेतु प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय जल निर्माण संघ के तत्वावधान में रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर में 12-13 मार्च 2009 के दौरान **सुरक्षित पेय जल हेतु प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी** का आयोजन किया गया। अनुसंधान तथा विकास संस्थानों, अकादमियों, गैर सरकारी संगठनों, पी एच ई डी, भूतल जल संकाय एवं प्रमुख एजेंसियों से 90 प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया। संगोष्ठी में सात तकनीकी सत्रों में 18 शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए। छह आमंत्रित वार्ताएं भी हुई जिन्हें भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बार्क) मुम्बई ; सी एम एस आर आई, भावनगर ; भारतीय जल विज्ञान संस्थान, रुड़की, इत्यादि के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत किया गया। संगोष्ठी के अंत में **सबके लिए सुरक्षित पेयजलः आयाम एवं प्राथमिकताएं** विषय पर पैनल परिचर्चा का आयोजन किया गया, इसमें कठिनाइयों के क्षेत्रों की पहचान की गई तथा लक्ष्यों का निर्धारण किया गया।

नौसेना अनुप्रयोग हेतु कम्पोजिट्स पर संगोष्ठी

भारतीय पदार्थ तथा प्रक्रिया अभियांत्रिकी संवर्धन समिति, पुणे अध्याय तथा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (इंजीनियर्स) (आर एंड डी ई (इंजी)), पुणे में नौसैनिक अनुप्रयोगों हेतु कम्पोजिट्स विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वाइस एडमिरल दिलीप देशपांडे, अति विशिष्ट सेवा मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल, भारतीय नौसेना के पदार्थ प्रमुख, मुख्य अतिथि थे। संगोष्ठी में लार्सन एंड टूर्बो तथा महिन्द्रा के प्रतिनिधियों ने मुख्य उद्‌बोधन दिया। संगोष्ठी में अनेक संस्थानों से 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संगोष्ठी में **नौसैनिक अनुप्रयोगों हेतु कम्पोजिट्स** के विकास तथा भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। संगोष्ठी के दौरान उपयोगकर्ता (नौसेना), डी आर डी ओ तथा उद्योग जगत के मध्य उपयोगी परिचर्चा हुई।

संगोष्ठी का उद्‌घाटन सत्र। वाइस एडमिरल दिलीप देशपांडे, दीप प्रज्ज्वलित करते हुए (इनसैट में)।

आर एंड डी ई (इंजी), पुणे द्वारा बड़े कम्पोजिट ढांचों का निर्माण कम लागत में करने की प्रौद्योगिकी विकसित की गई है तथा कार्बन-कम्पोजिट्स से बने हल्के स्मार्ट पुल का सफलतापूर्वक विकास किया गया है जो कि टैंक का भार वहन करने में सक्षम है। आर एंड डी ई (इंजी), पुणे इसी उन्नत पदार्थ प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर हल्के कवचित वाहन पेटा का विकास कार्य करने में संलग्न है। कई अन्य निर्माण प्रक्रियाओं का विकास भी किया गया है, जो कि चल रही परियोजनाओं को पूर्ण करने में सहायक सिद्ध होगी।

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर में 29-30 जनवरी 2009 को **सैन्य समस्याओं के समाधान में रक्षा अनुसंधान का योगदान** विषय पर राजभाषा वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में अरावली प्रबंधन संस्थान के निदेशक, डॉ वरूण आर्य, मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने देश-विदेश के अपने संस्मरण सुनाए और आई आई एम जैसी संस्था में अन्य वैज्ञानिकों के साथ मिलकर प्रबंधन विषयों के साथ विज्ञान विषय को शामिल करने के लिए पहल करने की बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि आज वैज्ञानिक अंग्रेजी में अधिक सोचते हैं जबकि वे अगर अपनी राष्ट्रभाषा में सोचकर शोध करें तो वह आमजन के लिए अधिक उपयोगी होगी। प्रयोगशाला के निदेशक, डॉ नरेन्द्र कुमार ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में राजभाषा हिन्दी के प्रति समर्पित होकर कार्य करने का आह्‌वान किया। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने राजभाषा नीति के अनुपालन पर जोर देते हुए कहा कि राजभाषा हिन्दी के माध्यम से वैज्ञानिक अपनी उपलब्धियों को जनमानस तक पहुंचाकर राष्ट्र व राष्ट्रभाषा दोनों को गौरवान्वित करते हैं और हमें सदैव इसके लिए प्रयासरत रहना है।

डॉ वरूण आर्य, संगोष्ठी स्मारिका का विमोचन करते हुए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा **संगोष्ठी स्मारिका** का विमोचन किया गया। स्मारिका में उच्च कोटि के लेख सम्मिलित किए गए हैं। अलग-अलग क्षेत्रों के शोध कार्यों पर आधारित शोध-पत्रों का वाचन पांच सत्रों में किया गया, जिनकी अध्यक्षता वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की गई। समापन समारोह में प्रयोगशाला के निदेशक, डॉ नरेन्द्र कुमार ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

पुस्तकालय सेवाओं में नए आयाम

पुस्तकालय परिषद, जोधपुर, द्वारा 15 मार्च 2009 को रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर में **पुस्तकालय सेवाओं में नए आयाम** विषय पर 15वीं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ नरेन्द्र कुमार, निदेशक, डी एल, ने इस अवसर पर बोलते हुए बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए विकास के बावजूद पुस्तकालयों का महत्वपूर्ण स्थान कायम है तथा पुस्तकालय में अध्ययन का अपना आनंद है। श्री एम एस बिश्नोई, वैज्ञानिक एफ, डी एल ने बताया कि पुस्तकालयों का नेटवर्क शहर में बेहतर पुस्तकालय सेवा प्रदान करने हेतु आवश्यक है। जोधपुर शहर के पुस्तकालयों के पुस्तकालयाध्यक्षों ने इस संगाष्ठी में अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। इस अवसर पर डॉ आर एस राठौर, वैज्ञानिक ई, पुस्तकालय प्रमुख, डी एल, को जीवनकाल उपलब्धि सम्मान-2009 प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान हेतु दिया गया है।

व्यक्तित्व विकास पर संगोष्ठी

रक्षा इलैक्ट्रोनिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल), हैदराबाद में 13 मार्च 2009 को साहित्य अकादमी सम्मान प्राप्त श्री यंदामूरी विरेन्द्रनाथ द्वारा तनाव प्रबंधन, नेतृत्व गुण, सोच तथा व्यक्तित्व विकास विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में निदेशक, डी एल आर एल, वरिष्ठ वैज्ञानिकों, तथा कर्मचारियों सहित 350 व्यक्तियों ने भाग लिया। श्री विरेन्द्रनाथ ने सभी प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की।

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र, दिल्ली

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का दृश्य।

इस केन्द्र द्वारा दिनांक 06 मार्च 2009 को **संपादन एवं लोकप्रिय लेखन कला** विषय पर एकदिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। केन्द्र के निदेशक, डॉ अ ल मूर्ति ने दीप प्रज्ज्वलित कर इसका उद्घाटन किया। डेसीडॉक परिवार के सैंतालीस सदस्यों ने इसमें भाग लिया। कार्यशाला में निसकेयर, नई दिल्ली से प्रकाशित पत्रिका विज्ञान प्रगति के संपादक, श्री प्रदीप शर्मा को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। उद्घाटन समारोह के उपरांत श्री शर्मा ने संपादन एवं लोकप्रिय लेखन कला के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों को संपादन एवं लेखन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। श्रीमती सुमति शर्मा, राजभाषा अधिकारी ने इस कार्यशाला का संचालन किया।

वैज्ञानिक विश्लेषण समूह, दिल्ली

डॉ महेन्द्र सिंह, निदेशक, गृह पत्रिका सुप्रयास का विमोचन करते हुए।

वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एस ए जी), दिल्ली की गृह पत्रिका **सुप्रयास** के सातवें अंक का दिनांक 19 मार्च 2009 को डॉ महेन्द्र सिंह, निदेशक, राजभाषा तथा संगठन पद्धति निदेशालय, डी आर डी ओ मुख्यालय, नई दिल्ली के करकमलों से विमोचन किया गया।

अनुसंधान केंद्र इमारत, हैदराबाद

अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई), हैदराबाद द्वारा दिनांक 22 फरवरी 2009 को **अनुवाद एवं राजभाषा** विषय पर एकदिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। आई एम एस टी एवं एच आर डी के निदेशक, श्री राजेन्द्र प्रसाद ने इसका उद्घाटन किया। बीस प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। कार्यशाला का प्रारंभ प्रतिभागियों के लिए संप्रेषणीयता कौशल पर आधारित कार्यक्रम के आयोजन से हुआ। अतिथि वक्ता के रूप में रक्षा लेखा नियंत्रक, अनुसंधान तथा विकास कार्यालय से पधारे डॉ राजनारायण अवस्थी ने राजभाषा एवं अनुवाद के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने राजभाषा नीति एवं नियमों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। श्री काजिम अहमद ने अनुवाद विषय पर आधारित अपना व्याख्यान दिया तथा प्रतिभागियों के लिए एक ज्ञान–विज्ञान एवं राजभाषा प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जिसके विजेताओं एवं उप–विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी-2009

हैदराबाद स्थित सभी डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं एवं ए आर सी आई ने रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद में संयुक्त रूप से 13-14 फरवरी के दौरान **रक्षा प्रौद्योगिकी में नवीनतम दिशाएं एवं सामाजिक उपयोगिताएं** विषय पर चतुर्थ दो-दिवसीय अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का उद्घाटन विशिष्ट वैज्ञानिक एवं अनुसंधान केन्द्र इमारत के निदेशक, श्री एस के रे, के करकमलों द्वारा हुआ। सभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने दैनिक कार्य में राजभाषा के महत्व को

स्पष्ट करते हुए देश में राजभाषा के प्रचार-प्रसार की अनिवार्यता पर बल दिया। उन्होंने यह प्रस्ताव भी रखा कि ऐसे संयुक्त सम्मेलनों में विभिन्न शैक्षिक संस्थानों एवं विद्यार्थियों को भी भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाए। मंच पर आसीन अन्य अतिथियों में डी एम आर एल के निदेशक, डॉ जी मालकोंडैया ; डी एल आर एल के निदेशक, श्री जी भूपति ; ए आर सी आई के सह-निदेशक, डॉ पद्मनाभन ; सम्मेलन अध्यक्ष, श्री राजेन्द्र प्रसाद ; सम्मेलन संयोजक, श्री जलज कुमार, आदि प्रमुख थे।

उद्घाटन समारोह के पश्चात मुख्य अतिथि, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं अनुसंधान केन्द्र इमारत के निदेशक, श्री एस के रे, ने **संगोष्ठी स्मारिका** का विमोचन किया तथा डी एम आर एल के निदेशक, डॉ जी मालकोंडैया, ने आर सी आई की वार्षिक राजभाषा गृह पत्रिका **इमारत** का विमोचन किया। डी एल आर एल के निदेशक, श्री जी भूपति, ने संगोष्ठी स्मारिका की **सी डी** का विमोचन किया। इस अवसर पर आयोजक प्रयोगशालाओं को शील्ड प्रदान की गईं। सम्मेलन उपाध्यक्ष श्री वी के अग्रवाल ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया तथा श्रीमती नीता गोगिया ने आभार प्रकट किया।

संगोष्ठी में विभिन्न प्रयोगशालाओं एवं संस्थाओं से कुल 52 शोध-पत्र प्राप्त हुए जो 07 सत्रों में प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर प्रतिभागियों के लिए ज्ञान-विज्ञान प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया एवं विजेताओं और उप-विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि, डी एम आर एल के निदेशक, डॉ जी मालकोंडैया थे।

उत्कृष्ट पत्रिका प्रकाशन पुरस्कार

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली की गृह पत्रिका **ज्ञानदीप, अंक 7 वर्ष 2007** को हम सब साथ-साथ, दिल्ली द्वारा दिनांक 09 अप्रैल 2009 को झांसी, उत्तर प्रदेश में आयोजित अखिल भारतीय राष्ट्रभाषा सम्मेलन, 2009 में **उत्कृष्ट पत्रिका प्रकाशन पुरस्कार** से सम्मानित किया गया है। सम्मेलन का मुख्य विषय था **भारतीय भाषाओं के समन्वय में राजभाषा हिन्दी की भूमिका व योगदान।**

गणमान्य विभूतियों में पदमश्री डॉ श्याम सिंह शशि, इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि थे तथा लेखक, विचारक, श्री जानकीशरण वर्मा इसके अध्यक्ष थे। डेसीडॉक की ओर से इस सम्मेलन के लिए श्री अशोक कुमार, सहायक हिन्दी को नामित किया गया था। सम्मेलन में विचारगोष्ठी में चर्चा के दौरान श्री अशोक कुमार ने डेसीडॉक, दिल्ली द्वारा किये जा रहे हिन्दी कार्यों तथा डी आर डी ओ द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन नीति के पालन के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस सम्मेलन में देश भर से लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर अपने-अपने क्षेत्र में राजभाषा से जुड़े 36 वरिष्ठ प्रबुद्धजनों एवं बुद्धिजीवियों को **हिन्दी सेवी सम्मान** से सम्मानित किया गया।

डी आर डी ओ द्वारा प्रौद्योगिकी मेला 2009, आई आई टी बॉम्बे में प्रतिभागिता

प्रौद्योगिकी मेला 2009, अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मेला, आई आई टी बॉम्बे, मुम्बई द्वारा 24-26 जनवरी 2009 के दौरान आयोजित किया गया। यह आई आई टी बॉम्बे का स्वर्ण जयंती वर्ष भी है। इस आयोजन में डी आर डी ओ को अपने उत्पाद तथा प्रणालियां प्रदर्शित करने हेतु विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। इस आयोजन में देश के विभिन्न अभियांत्रिक महाविद्यालयों से 10000 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अनुसंधान तथा विकास स्थापना (इंजीनियर्स) (आर एंड डी ई (इंजी)), पुणे, डी आर डी ओ प्रदर्शनी की समन्वयक प्रयोगशाला थी। प्रदर्शनी में आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे ; रक्षा इलैक्ट्रोनिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल), हैदराबाद ; वैमानिकी विकास स्थापना (ए डी ई), बैंगलोर ; इलैक्ट्रोनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बैंगलोर ; उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे ; सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान तथा विकास केंद्र (एम टी आर डी सी), बैंगलोर ; आर एंड डी ई (इंजी), पुणे ; तथा वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (वी आर डी ई), अहमदनगर के लगभग 20 डी आर डी ओ उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

बाहरी प्रदर्शनी में ब्रह्मोस का सुवाह्य स्वचलित प्रक्षेपक, दक्ष-विस्फोटक जांच वाहन, बी एल टी अर्जुन का स्लाइड-प्रक्षेपण पुल प्रणाली, 5 मीटर x 2 मीटर स्मार्ट ब्रिज, मारूति एस्टीम कार पर आधारित मानवरहित थल वाहन, मानवरहित वायु वाहन हेतु चार सिलेंडर का इंजन, ए ई आर वी एवं एन बी सी खोजी वाहन के मॉडल तथा निशांत एवं लक्ष्य मानवरहित वायु वाहनों के मॉडल प्रदर्शिन किए गए।

अंदरूनी प्रदर्शनी में इनसास राइफल, एल एम जी आधुनिक सब-मशीनगन, यू बी जी एल तथा पांच अन्य प्रकार के युद्धशीर्ष (ए आर डी ई, पुणे से) मिलीमीटर तरंग तथा अतिसूक्ष्म तरंग अवयव तथा एंटीना (डी एल आर एल), हैदराबाद से लघु-सीमा युद्ध क्षेत्र निगरानी रडार (बी एफ एस आर-एस आर) (एल आर डी ई, बैंगलोर से) विस्फोटक जांच किट (एच ई एम आर एल, पुणे से) मल्टी मोड ग्रेनेड (टी बी आर एल, चंडीगढ़ से), तथा एम टी आर डी सी), बैंगलोर ने अपनी गतिविधियों से संबंधित चलचित्र तथा सूचना सामग्री का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में अन्य डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं की गतिविधियों को भी चलचित्रों के माध्यम से प्रचारित किया गया।

डी आर डी ओ अंदरूनी एवं बाहरी प्रदर्शनी में छात्रों, जनसाधारण तथा जनसंचार माध्यम कर्मियों ने गहरी रूचि ली।

प्रदर्शनी में प्रदर्शित उत्पाद।

अन्ना विश्वविद्यालय में समाघात वाहन अभियांत्रिकी प्रदर्शनी

डी आर डी ओ स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह के भाग के रूप में, अन्ना विश्वविद्यालय में समाघात वाहन तथा अभियांत्रिकी पर आयोजित तीन-दिवसीय प्रदर्शनी का 28 फरवरी 2009 को डॉ ए शिवथानु पिल्लई, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (नौसेना प्रणाली एवं आयुध समाघात अभियांत्रिकी) द्वारा उद्घाटन किया गया। डॉ पिल्लई ने अपने उद्घाटन भाषण में **भविष्य के युद्ध हेतु समाघात प्रणालियां : मस्तिष्क में मशीन में युद्ध के बदलते परिदृश्य तथा पहाड़ी परिस्थितियों में स्वचलित एवं रोबोटिक प्रणालियों के प्रयोग** पर प्रकाश डाला। श्री एस सुंदरेश, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (सी वी आर डी ई), चेन्नई, ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं के निदेशक, सेवानिवृत्त तथा वर्तमान वरिष्ठ वैज्ञानिकगण, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, अन्ना विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। डॉ पी मन्नार जवाहर, कुलपति, अन्ना विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि थे। डॉ जवाहर ने नवीनतम रक्षा प्रणालियों के विकास पर बधाई दी। आपने बताया कि डी आर डी ओ तथा अन्ना विश्वविद्यालय मिलकर निगरानी उपकरणों का विकास कर रहे हैं। श्री के कृष्णमूर्ति, वैज्ञानिक जी, सह-निदेशक आई एफ सी एस तथा अध्यक्ष, स्वर्ण जयंती आयोजन समिति ने प्रदर्शनी की रूपरेखा का वर्णन किया।

प्रदर्शनी का एक दृश्य।

प्रदर्शनी में समाघात अभियांत्रिकी समूह प्रयोगशालाओं, संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (सी वी आर डी ई), चेन्नई ; वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (वी आर डी ई), अहमदनगर ; अनुसंधान तथा विकास स्थापना (इंजीनियर्स) (आर एंड डी ई (इंजी)), पुणे ; हिम तथा अवधाव अध्ययन स्थापना (सासे), मनाली ; कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बैंगलोर, ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। डी आर डी ओ के उद्योग जगत के सहयोगियों द्वारा भी अपने उत्पाद प्रदर्शित किए गए। मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन, सी आई अजेय, एक्स.टैंक, सी सी पी टी, आकाश प्रक्षेपक तथा पुल बनाने वाला टैंक, हल्का कवचीय पहिये युक्त वाहन, मानवरहित यंत्र तथा वायु वाहन, स्वचलित लक्ष्य खोजी, युद्ध प्रबंधन प्रणाली, रोबोटिक्स जल पर चलने में सक्षम तथा हल्के इंजन, दक्ष, विस्फोटक निष्क्रिय करने वाला रोबोट, रक्षक रोबोट, सीढ़ी चढ़ने वाला रोबोट तथा कैटरपीलर रोबोट, इत्यादि को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर डी आर डी ओ के उद्योग जगत के सहयोगियों को सम्मानित किया गया।

पेटेंट अनुमोदित

डॉ के शेखर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (कार्यान्वयन) डॉ आर सी मल्होत्रा, वैज्ञानिक एफ (सेवानिवृत्त), डॉ बी एस बत्रा, वैज्ञानिक डी (सेवानिवृत्त), डॉ के गणेशन, वैज्ञानिक ई, रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर ने **ए प्रोसेस फॉर दी कम्प्लीट डिस्ट्रक्शन ऑफ गैल्ड सल्फर मस्टर्ड (एस एम) (डब्ल्यू ओ/2004/073800)** नामक विषय पर अमेरिका, रूस एवं यूरोप में एक पेटेंट प्राप्त किया है।

कार्मिक समाचार

नियुक्तियां

निदेशक, कार्मिक निदेशालय, डी आर डी ओ मुख्यालय

डॉ अरुण कुमार, वैज्ञानिक जी का जन्म 04 नवम्बर 1950 को हुआ। आपने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में स्नातकोत्तर उपाधि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय से विश्वसनीयता मॉडलिंग में 1978 में पी एच डी की उपाधि प्राप्त की। डॉ कुमार को 01 मार्च 2009 से प्रभावी नियुक्ति में निदेशक, कार्मिक निदेशालय, डी आर डी ओ मुख्यालय, नियुक्त किया गया है। इससे पहले आप सितम्बर 2005 से फरवरी 2009 तक निदेशक, भर्ती तथा मूल्यांकन केंद्र (आर ए सी), दिल्ली के पद पर कार्यरत रहे।

डॉ कुमार, 27 जून 1973 को पद्धति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली में सम्मिलित हुए। आपने प्रक्षेपास्त्र प्रणालियों तथा एम बी टी अर्जुन के विश्वसनीयता अभिरूपण तथा प्रणाली विश्लेषण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रमुख रक्षा प्रणालियों हेतु विश्वसनीयता आंकन हेतु रेलेस्को समेकित सॉफ्टवेयर का विकास आपके नेतृत्व में हुआ। आप 01 अप्रैल 1998 को आर ए सी में सम्मिलित हुए। आपने अपने कार्यकाल के दौरान आर ए सी के तरीकों में सुधार किए। आपने चयन के तरीकों में सुधार किए तथा आई एस ओ प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। आपके प्रमुख योगदान में वैज्ञानिक चयन परीक्षा का सफल आयोजन शामिल है। आपने अप्रवासी भारतीयों के चयन हेतु सी सी टी वी प्रणाली तथा वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा के स्थापन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आपके प्रयासों से साक्षात्कार प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता आई।

डॉ कुमार के प्रयासों से आर ए सी में डी आर डी ओ की उपलब्धियों से संबंधित प्रदर्शनी का स्थापन भी हुआ। आपके उत्कृष्ट योगदान के लिए आपको डी आर डी ओ प्रयोगशाला सम्मान-2004 तथा डी आर डी ओ वर्ष का वैज्ञानिक पुरस्कार-2008 प्राप्त हैं। डॉ कुमार भारतीय कार्यात्मक शोध समिति, दिल्ली अध्याय के अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता अभियंता समिति के सदस्य तथा आई ई ई ई ट्रांसेक्शंस ऑन रिलायबिलिटी के मूल्यांकनकर्ता हैं। आपके नाम प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में 15 शोध-पत्र हैं।

निदेशक, भर्ती तथा मूल्यांकन केन्द्र, दिल्ली

श्री आर के जैन, वैज्ञानिक एफ को 01 मार्च 2009 से प्रभावी नियुक्ति में निदेशक, भर्ती तथा मूल्यांकन केन्द्र (आर ए सी), दिल्ली नियुक्त किया गया है। आपको दिल्ली विश्वविद्यालय से ऑपरेशनल रिसर्च में एम फिल उपाधि प्राप्त है। आप मार्च 1984 में पद्धति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली में सम्मिलित हुए। आप जुलाई 2001 में पीस अब कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केन्द्र (सेपटेम), दिल्ली में शामिल हुए तथा केन्द्रीयकृत भर्ती योजना पर कार्य किया। आपने क्षेत्रीय तथा केन्द्रीय मूल्यांकन के मार्गनिर्देशों में सुधार किया, केन्द्र में सुचारू कार्य हेतु मानक कार्यात्मक प्रणाली का विकास किया तथा मूल्यांकन प्रक्रिया तथा प्रणाली में पारदर्शिता लाने के प्रयास किए। आप जुलाई 2003 में आर ए सी में सम्मिलित हुए, यहां आपने वैज्ञानिकों के चयन तथा मूल्यांकन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिए। आपने चयन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए रचनात्मक कदम उठाए, जिन्हें रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, श्री एम नटराजन द्वारा सराहा गया तथा इसके लिए उन्हें राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर प्रशस्ति-पत्र भी प्रदान किया गया।

आपको प्रयोगशाला वर्ष का वैज्ञानिक पुरस्कार-2006 भी प्राप्त है। आपने अभिरूपण तथा युद्ध क्रीड़ा के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं। आप नौसैनिक युद्ध क्रीड़ा सॉफ्टवेयर **सागर** के विकास के लिए उत्तरदायी रहे हैं। इस सॉफ्टवेयर के सफल स्थापन तथा उपयोगकर्ता प्रशंसा, जिसमें नौसेना प्रमुख, एवं रक्षा राज्य मंत्री द्वारा प्रशंसा भी शामिल है, के लिए डी आर डी ओ प्रौद्योगिकी सम्मान-1995 भी प्राप्त है। आपके नाम 50 प्रकाशन हैं, जिसमे तकनीकी प्रतिवेदन, पुस्तकों के अध्याय, तथा शोध-पत्र शामिल हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना, पुणे

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे में 04-11 मार्च 2009 के दौरान **38वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह** का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुरक्षा स्लोगन एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्मिकों को सुरक्षा संबंधित मुद्दों पर जागरूक करने के लिए एक सामान्य सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। 09 मार्च 2009 को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का आयोजन किया गया जिसमें कर्नल ललित कपूर, सी एम ई, पुणे, मुख्य अतिथि थे। आपने सुरक्षा मापकों पर अपने विचार रखे जो वर्तमान परिदृश्य में आतंकवाद के लड़ने के लिए अपनाए जाने चाहिए। आपने **इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइसिज** विषय पर व्याख्यान दिया।

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला, पुणे

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे में 04-10 मार्च 2009 के दौरान **राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह** का आयोजन किया गया। डॉ ए शुभनंदा राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एच ई एम आर एल ने इसका उद्घाटन किया। इसके दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह-2009 की याद में कर्मियों को सुरक्षा लोगो एवं सुरक्षा बैज वाली पॉकेट डायरी प्रदान की गई। डॉ एस कमाल, उप-नियंत्रक, विस्फोटक, नवी मुम्बई द्वारा **हैंडलिंग ऑफ एक्सप्लोसिव्स** नामक विषय पर उद्घाटन व्याख्यान दिया गया। डॉ कमाल ने विस्फोटकों की सुरक्षा तथा संशोधित सुरक्षा नियमों के बारे में बताया। डॉ एस जे भासे, क्षेत्रीय सुरक्षा नियंत्रक, पुणे द्वारा **दुर्घटना अन्वेषण एवं विश्लेषण** नामक विषय पर व्याख्यान दिया गया। एच ई एम आर एल के अग्नि विभाग द्वारा सभी कार्मिकों के लिए **अग्नि से बचाव** पर एक प्रस्तुति दी गई।

इलैक्ट्रोनिक्स तथा रडार विकास स्थापना, बैंगलोर

इलैक्ट्रोनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बैंगलोर में 04 मार्च 2009 को **राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह** का आयोजन किया गया। श्री एस जोसेफ सौरीराज, वैज्ञानिक जी, कार्यकारी निदेशक, ने समारोह की अध्यक्षता की। श्री बी के सदानंद, उप-महाप्रबंधक सेवानिवृत्त, सुरक्षा बी ई एल, बैंगलोर, मुख्य अतिथि थे तथा श्री के यू रमेश, मुख्य अग्नि अधिकारी, कर्नाटक राज्य अग्नि एवं आपातकालीन सेवा, बैंगलोर-पूर्व, को विशेष अतिथि के रूप से आमंत्रित किया गया। मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि ने कार्मिकों को स्थापना के अंदर तथा बाहर सुरक्षा नियमों की जानकारी दी। बाद में कर्नाटक राज्य अग्नि एवं आपातकालीन सेवा द्वारा अग्नि रोकथाम प्रदर्शन किया गया।

प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना, चांदीपुर

प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना (पी एक्स ई), चांदीपुर में 04 मार्च 2009 को **राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह** का आयोजन किया गया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुरक्षा शपथ ली। मेजर जनरल अनूप मल्होत्रा, निदेशक, पी एक्स ई, ने समारोह का उद्घाटन किया तथा सुरक्षा स्लोगन एवं सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर प्रोफेसर (डॉ) पी के रॉय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी), खड़गपुर, ने **औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधनः सुरक्षा अभिकल्पन मुद्दा** विषय पर व्याख्यान दिया।

मेजर जनरल अनूप मल्होत्रा, दीप प्रज्ज्वलित करते हुए।

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला, कोच्चि

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि में **38वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह** का आयोजन किया गया। आयोजन के एक भाग के रूप में निबंध प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता तथा कार्टून बनाना प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 04 मार्च 2009 को राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झंडा फहराना, शपथ ग्रहण समारोह, तथा आमंत्रित वार्ताओं का आयोजन किया गया। श्री के वी सनिल कुमार, वैज्ञानिक एफ, समूह प्रमुख सतर्कता, सुरक्षा एवं बचाव, ने **अग्नि सुरक्षा** विषय पर अपना व्याख्यान दिया। श्री एच महादेवन, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, केरल, ने **सामान्य सुरक्षा** विषय पर एक प्रस्तुति दी। श्री शिनी नायर, वैज्ञानिक सी, ने **रासायनिक सुरक्षा मापक** विषय पर प्रस्तुति दी। श्री एस अनंतनारायण, निदेशक, एन पी ओ एल, ने पुरस्कार प्रदान किए।

अच्छे स्वास्थ्य हेतु डी आर डी ओ द्वारा प्रातःकालीन भ्रमण

डी आर डी ओ स्वास्थ्य कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, डी आर डी ओ खेल बोर्ड ने 07 मार्च 2009 को नेहरू पार्क, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में प्रातःकालीन भ्रमण का आयोजन किया। श्री एम नटराजन, संरक्षक, डी आर डी ओ खेल बोर्ड, रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, महानिदेशक, अनुसंधान तथा विकास, ने इसका नेतृत्व किया। इसका आरम्भ योग अभ्यासों से किया गया। इसके बाद एक भ्रमण का आयोजन किया जिसमें मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास, निदेशालयों एवं प्रयोगशालाओं के निदेशक, डी आर डी ओ के वरिष्ठ एवं युवा वैज्ञानिकों ने इसमें भाग लिया। स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ मस्तिष्क हेतु डी आर डी ओ के वैज्ञानिक समुदाय में भरपूर उत्साह एवं जोश देखा गया।

वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रातःकालीन भ्रमण का आनंद लेते हुए।

सर्वोत्तम अलंकारी बगीचा पुरस्कार

कृषि बागवानी समिति, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, दिल्ली द्वारा 23-26 फरवरी 2009 के दौरान आयोजित एक प्रतियोगिता में सम्पदा प्रबंधन इकाई, दिल्ली ने निम्नलिखित वर्गों में 45 पुरस्कार जीते :

- सर्वोत्तम वृहत बगीचा (आवासीय) ट्रॉफी : केन्द्रीय पार्क, डी आर डी ओ आवासीय परिसर, तिमारपुर, दिल्ली।
- सर्वोत्त्म लघु बगीचा (संस्थागत) ट्रॉफी : सम्पदा प्रबंधन इकाई, दिल्ली।
- सर्वोत्त्म वृहत बगीचा (संस्थागत) ट्रॉफी : मेटकॉफ हाउस, दिल्ली।
- पोटिड प्लांट्स, कट फ्लॉवर, रंगोली एवं फ्लोरल अरेंजमेंट इत्यादि के लिए 42 पुरस्कार।

ISSN 0971-4405

खेलकूद समाचार

दक्षिण क्षेत्र बैडमिंटन प्रतियोगिता

इलैक्ट्रोनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बैंगलोर में दिनांक 03-05 मार्च 2009 के दौरान आयोजित दक्षिण क्षेत्र बैडमिंटन प्रतियोगिता में वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बैंगलोर की टीम उप-विजेता रही।

डी आर डी ओ राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे में दिनांक 17-19 मार्च 2009 के दौरान डी आर डी ओ राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निदेशक, ए आर डी ई, ने इसका उद्घाटन किया। दक्षिण, मध्य, उत्तर एवं पश्चिम क्षेत्र से चार टीमों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। पिछले वर्ष की विजेता दक्षिण क्षेत्र एवं उप-विजेता पश्चिम क्षेत्र पुनः क्रमशः विजेता एवं उप-विजेता रहीं।

डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं में पधारे अतिथिगण

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना, पुणे

20 फरवरी 2009 : डॉ ए शिवथानु पिल्लई, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (नौसेना प्रणाली एवं आयुध समाघात अभियांत्रिकी)।

डॉ ए शिवथानु पिल्लई को सम्मानित करते हुए ए आर डी ई के निदेशक, डॉ ए एम दातार।

नाभिकीय औषधि तथा सम्बद्ध विज्ञान संस्थान, दिल्ली

04 मार्च 2009 : लेफ्टिनेंट जनरल एन के परमार, अति विशिष्ट सेवा मेडल, वीर चक्र, आई एस एम, पी एच एस, चिकित्सा सेवा महानिदेशक (सेना) एवं कर्नल कमांडैंट।

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला, पुणे

16 मार्च 2009 : वाइस एडमिरल अनूप सिंह, अति विशिष्ट सेवा मेडल, एन एम, डी सी आई डी एस (ओ पी एस), मुख्यालय समेकित रक्षा स्टॉफ।

लेफ्टिनेंट जनरल एन के परमार, इनमास की गतिविधियों में गहरी रूचि लेते हुए।

मुख्य सम्पादक	सह मुख्य सम्पादक	सम्पादक	सह सम्पादक	सम्पादकीय सहायक	मुद्रण	विपणन
डॉ अ ल मूर्ति	शशी त्यागी	सुमति शर्मा	फूलदीप कुमार	अशोक कुमार	बी नित्यानंद एस के गुप्ता	एम जी शर्मा आर पी सिंह

डॉ अ ल मूर्ति, निदेशक, डेसीडॉक द्वारा डी आर डी ओ की ओर से मुद्रित एवं प्रकाशित

प्रकाशक : डेसीडॉक, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली.110054 ; दूरभाष : 011-23812252 ; फैक्स : 011-23819151 ; ई-मेल : dirdesidoc@vsnl.net